श्री केदारनाथ पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त समिति की दिनांक 27.10.2017 को सम्पन्न हुई बैठक का कार्यवृत्त :–

बैठक में निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित रहे :–

1. श्री आनन्द वर्धन, प्रमुख सचिव, सिंचाई, उत्तराखण्ड शासन।
2. श्री अमित सिंह नेगी, सचिव आपदा प्रबन्धन एवं पर्यटन, उत्तराखण्ड शासन।
3. श्रीमती राधिका झा, सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।
4. डा0 आशीष कुमार श्रीवास्तव, अपर सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
5. श्री मंगेश घिंडियाल, जिलाधिकारी, रूद्रप्रयाग।
6. श्री जे0पी0 जोशी, अपर सचिव, राजस्व, उत्तराखण्ड शासन।
7. श्रीमती गरिमा रौंकली, संयुक्त सचिव, पर्यटन, उत्तराखण्ड शासन।
8. श्री के0एन0 उपाध्याय, उप सचिव, पर्यटन, उत्तराखण्ड शासन।
9. श्री निकुल शाह, जे0एस0डब्ल्यू0।
10. श्री एच0के0 उप्रेती, प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग।
11. श्री आर0पी0 भट्ट, तकनीकी सलाहकार, लोक निर्माण विभाग।
12. श्री आर0सी0 पुरोहित, मुख्य अभियन्ता स्तर–1, लोक निर्माण विभाग।
13. श्री पुरूषोत्तम, निदेशक, अवस्थापना, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, देहरादून।
14. श्री विवेक सिंह चौहान, संयुक्त निदेशक, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, देहरादून।
15. श्री वाई0के0 गंगवार, उप निदेशक, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, देहरादून।
16. श्री एस0एस0 सामन्त, वरिष्ठ शोध अधिकारी, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, देहरादून।
17. श्री डी0एस0 कछवाहा, एस0एस0ओ0 प्लानिंग सिंचाई विभाग।
18. श्री इंद्रजीत बोस, अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग।
19. श्री के0एस0 रावत, जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून।

सर्वप्रथम मुख्य सचिव महोदय द्वारा मा0 प्रधानमंत्री जी के समक्ष जे0एस0डब्लू ग्रुप के प्रतिनिधि श्री संदीप गोखले एवं पर्यटन सचिव, श्री अमित सिंह नेगी द्वारा दिये गये प्रस्तुतीकरण के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया एवं विचार विमर्श के उपरान्त निम्न निर्णय लिये गयेः–

1. जे0एस0डब्लू ग्रुप द्वारा नई केदारपुरी के निर्माण हेतु प्रस्तावित डिजाईन का प्रस्तुतिकरण मा0 प्रधानमंत्री जी, महामहिम श्री राज्यपाल एवं मा0 मुख्यमंत्री जी के समक्ष किया गया जिसकी सभी के द्वारा सराहा गया।बैठक में यह निर्देशित किया गया कि नई केदारपुरी का निर्माण जे0एस0डब्लू ग्रुप द्वारा प्रस्तुत मॉडल/डिजाईन के अनुरूप किया जाए। इस सम्बन्ध में जे0एस0डब्लू ग्रुप द्वारा नई केदारपुरी के पुर्ननिर्माण प्लान को तैयार करने में राज्य सरकार की मदद करने पर सहमति व्यक्त की गई। अतः जे0एस0डब्लू ग्रुप को निर्देशित किया गया कि एक माह के अन्दर नई केदारपुरी के पुर्ननिर्माण प्लान को तैयार कर के0डी0ए0 के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि श्री केदारनाथ धाम में होने वाले सभी पुर्ननिर्माण कार्य इसी प्लान के तहत कराये जायेंगे।

(कार्यवाही– जे0एस0डब्लू ग्रुप/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, के0डी0ए0 एवं सचिव,पर्यटन विभाग)

..2

2. श्री केदारनाथ धाम के जी0आई0एस0 मैंपिग के संबंध में चर्चा की गयी। जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग द्वारा बताया गया कि उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् द्वारा पूर्व में ही M/s IGIS Pvt. Ltd. 243/196 Rabindra Nath Tagore Marg, Dehradun का चयन किया गया है एवं उनके द्वारा Field survey का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। अतः जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि प्राथमिकता के तौर पर केदारपुरी एवं सलंग्न क्षेत्र की जी0आई0एस0 मैंपिग दिनांक 15 नवम्बर, 2017 तक करवाना सुनिश्चित करेंगे एवं के0डी0ए0 के सम्पूर्ण क्षेत्र की जी0आई0एस0 मैंपिग निर्धारित समयान्तर्गत पूरा करवाना सुनिश्चित करेंगे।

(कार्यवाही–M/s IGIS Pvt. Ltd / मुख्य कार्यकारी अधिकारी, के0डी0ए0)

3. सचिव, मुख्यमंत्री द्वारा अवगत कराया गया कि श्री केदारनाथ धाम में किये जा रहे पुर्ननिर्माण कार्यों की Technical feasibilityको निर्धारित करने हेतु एक समिति बना दी जाये जिसमें मुख्य अभियन्ता, लो0नि0वि0; मुख्य अभियन्ता, सिंचाई विभाग; तकनीकी सलाहकार एवं भू–वैज्ञानिक हो, जो कि हाई पावर्ड कमेटी को किसी भी कार्य के सम्बन्ध में सलाह देना सुनिश्चित करेंगे। उक्त के अतिरिक्त समस्त परियोजनाओं में Geo-Technical Investigation कराया जायेगा एवं इस हेतु जी0एस0आई0 / वाडिया इंस्टीट्यूट की मदद भी ली जायेगी।

(कार्यवाही–सचिव, पर्यटन विभाग)

4. मा0 प्रधानमंत्री जी को दिये गये प्रस्तुतिकरण में मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा निर्देशित किया गया था कि अध्यात्मिक गुफाओं को ईगतपुरी नासिक के मॉडल का अध्ययन किया जाये एवं उसी प्रकार की अध्यात्मिक गुफाओं का निर्माण किया जाये। इस सम्बन्ध में जे0एस0डब्लू0 ग्रुप को मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि वह आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–सचिव, पर्यटन विभाग)

5. मुख्य सचिव महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि मा0 प्रधानमंत्री जी की अपेक्षानुसार कार्यों को समयान्तर्गत पूरा करवाने हेतु मुख्य कार्यकारी अधिकारी के0डी0ए0 को निगरानी के लिए एक प्रभावी तन्त्र को विकसित करना हेगा इस हेतु यह मुख्य कार्यकारी अधिकारी के0डी0ए0 को निर्देशित किया गया कि श्री केदारनाथ धाम में चल रहे पुर्ननिर्माण कार्यों को सम्पादित एवं निगरानी करने हेतु पी0एम0सी0 (प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी) का शीघ्र के0डी0ए0 चयन करें। इस पी0एम0सी0 में निम्न consultantहोंगें:–

- अर्बन लैण्डस्केप प्लानर
- अर्बन लैण्डस्केप आर्किटेक्ट
- टाऊन प्लानर
- कॉन्ट्रेक्ट मैनेजमेंट विशेषज्ञ
- पर्यावरण विशेषज्ञ
- एम0आई0एस0 विशेषज्ञ

..3

के०डी०ए० एक सप्ताह के अन्तर्गत EOIनिकालना सुनिश्चित करेंगे। इस हेतु आयुक्त गढ़वाल मण्डल श्री दिलीप जावलकर का मार्गदर्शन भी प्राप्त कर लें।

(कार्यवाही– मुख्य कार्यकारी अधिकारी, के०डी०ए०)

6. बैठक में उपस्थित सिंचाई विभाग के प्रतिनिधि को मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि मंदाकिनी नदी के तट पर बनने वाली सुरक्षा दीवार को सम्पूर्ण पुर्ननिर्माण प्लान के अनुसार बनाना ही सुनिश्चित करेंगे एवं सहायतार्थ जे०एस०डब्लू ग्रुप द्वारा सरस्वती नदी के तट पर बनने वाले घाट एवं सुरक्षा दीवार का अध्ययन करेंगे। इस हेतु सिंचाई विभाग एक अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप में नामित करना सुनिश्चित करेंगें। सिंचाई विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि मंदाकिनी नदी के तट पर बनने वाली सुरक्षा दीवार की डी०पी०आर० दिनांक 15.11.2017 तक तैयार हो जायेगी। सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया कि डी०पी०आर० के सम्बन्ध में संपूर्ण कार्यवाही जैसे EFC,vettingदिनांक 18.11.2017 तक कराना सुनिश्चित करेंगे। चूंकि सिंचाई विभाग को उपरोक्त कार्य करने हेतु धनराशि की आवश्यकता होगी अतः अपर सचिव मा० मुख्यमंत्री जी को निर्देशित किया गया कि वह मा० मुख्यमंत्री राहत कोष से उपरोक्त परियोजना को स्वीकृति देते हुए इस वित्तीय वर्ष 2017–18 कुल रू० 30.00 करोड़ की धनराशि उपरोक्त परियोजना अवमुक्त करना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–सचिव सिंचाई विभाग एवं मुख्यमंत्री कार्यालय)

7. उपरोक्त सभी कार्यों हेतु मा० प्रधानमंत्री जी द्वारा एक वर्ष की समयावधि निर्धारित की गई है। श्री केदारनाथ धाम में कार्य करना अत्यन्त दुरूह है एवं शीतकाल होने के कारण इस दौरान कठिनाईयॉ और अधिक बढ़ जाती है। इसलिए यह विचार रखा गया कि Nehru Institute Mountaineering (NIM) द्वारा कार्य करने हेतु अपनायी जाने वाली पद्धति को जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग अध्ययन कर प्रस्ताव एक सप्ताह के अंतर्गत पर्यटन विभाग को भेजे जिसका अनुमोदन प्राप्त किये जाने हेतु यथाप्रकिया मा० मंत्रिमण्डल के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग)

8. चूंकि कार्य एक समय सीमा के अंतर्गत संम्पादित किये जाने है अतः कार्य की महत्ता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया कि सिंचाई विभाग एवं लोक निर्माण विभाग श्री केदारनाथ धाम के पुर्ननिर्माण हेतु अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारियों को नोडल ऑफिसर बनाकर श्री केदारनाथ धाम में तैनात करें।

(कार्यवाही–लो०नि०वि०, सिंचाई विभाग एवं जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग)

9. श्री केदारनाथ धाम के प्रवेश द्वार तक जाने वाले मार्ग के सौन्दर्यकरण एवं चौड़ीकरण के सम्बन्ध में जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया गया कि आज दिनांक 27.10.2017 को ओ०एन०जी०सी० के बोर्ड बैठक में उक्त कार्य हेतु प्रस्ताव पारित किया गया है। ओ०एन०जी०सी० द्वारा उक्त कार्यों हेतु धनराशि उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् (यू०टी०डी०बी०) को हस्तान्तरित की जायेगी। यू०टी०डी०बी० द्वारा उपरोक्त कार्य हेतु लो०नि०वि० को कार्यदायी संस्था नामित किया जायेगा। लो०नि०वि० से यह अपेक्षा की गई कि वह पुनर्निमाण कार्ययोजना के अनुरूप एवं मा० प्रधानमंत्री जी की अपेक्षानुसार उक्त मार्ग का सौन्दर्यीकरण/चौड़ीकरण कराना सुनिश्चित करेंगे। इस मार्ग की डी०पी०आर० पूर्व में NIMद्वारा तैयार की गई है। इस डी०पी०आर० का भी लो०नि०वि० द्वारा अध्ययन कर लिया जाये एवं

...4

दिनांक 10.11.2017 तक मार्ग के सौन्दर्यीकरण/चौड़ीकरण के कार्य की डी0पी0आर0 तैयार कर ली जाये। इस सम्बन्ध में सचिव पर्यटन ओ0एन0जी0सी0 से समन्वय करना सुनिश्चित करेंगे।

(कार्यवाही–सचिव पर्यटन/लो0नि0वि0/ओ0एन0जी0सी0)

10. जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि पुनर्निर्माण कार्यों की निगरानी हेतु सी0सी0टी0वी0 कैमरा लगाना सुनिश्चित करेंगे एवं जिसका access मुख्य सचिव एव सचिव पर्यटन विभाग के कार्यालय में भी उपलब्ध करायेंगे। इस हेतु यदि जिलाधिकारी उचित समझे तो अनुश्रवण हेतु drones का भी उपयोग कर सकते हैं।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग)

11. जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि यदि के0डी0ए0 के संचालन हेतु अतिरिक्त कार्मिकों की आवश्यकता है तो उन्हें भी तत्काल नियुक्त कर दें एवं के0डी0ए0 के संचालन हेतु यदि अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता है तो इस सम्बन्ध में सुविचारित प्रस्ताव सचिव, पर्यटन विभाग को भेंजे।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग)

12. जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया गया कि श्री केदारनाथ में शीतकाल में कार्य करना अत्यन्त कठिन है। अतः मजदूरों को शीतकाल में कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु ठण्ड से बचने के लिए सभी आवश्यक सुविधायें उपलब्ध करायी जाये। यह भी निर्णय लिया गया कि इस हेतु पूर्व में भी मा0 मुख्यमंत्री राहत कोष से धनराशि उपलब्ध करायी गयी थी। अतः इस बार भी मा0 मुख्यमंत्री राहत कोष से धनराशि उपलब्ध करायी जायेगी जिसका जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग अपने स्तर से बोर्ड बैठक में अनुमोदन प्राप्त कर लें।

(कार्यवाही–सचिव, मा0 मुख्यमंत्री)

13. प्रस्तुतिकरण के दौरान मा0 प्रधानमंत्री जी ने मन्दिर के चबूतरें को वृहद रूप से विस्तारीकरण करने हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त कार्य हेतु कुछ संरचनाओं को ध्वस्तीकरण भी किया जाना होगा। मुख्य सचिव महोदय द्वारा जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि मन्दिर के चबूतरें के वृहद विस्तारीकरण हेतु ध्वस्तीकरण की आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग)

14. प्रस्तुतीकरण के दौरान महामहिम राज्यपाल द्वारा उपरोक्त पुर्ननिर्माण प्लान के आधार पर श्री केदारनाथ एवं केदारपुरी का लकड़ी का मॉडल बनाने हेतु निर्देशित किया गया था। इस सम्बन्ध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा जे0एस0डब्लू0 ग्रुप के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि एक माह के अंतर्गत उपरोक्त कार्य कराना सुनिश्चित करें।

(कार्यवाही–प्रतिनिधि जे0एस0डब्लू0 ग्रुप)

15. श्री केदारनाथ पुर्ननिर्माण कार्यों की निगरानी हेतु जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग को निर्देशित किया गया कि एक प्रभावी एम0आई0एस0 तन्त्र विकसित करेंगे। सचिव मा0 मुख्यमंत्री द्वारा सुझाव

...5

दिया गया कि इस हेतु एक डैश बोर्ड तैयार कर लिया जाये। सचिव पर्यटन द्वारा सुझाव दिया गया कि इस हेतु श्री मनोज बिष्ट, अधिशासी अभियन्ता, लो0नि0वि0 से भी वार्ता कर ली जाये,क्योंकि इनके द्वारा एम0आई0एस0 प्रणाली पर अच्छा कार्य किया गया है। मुख्य सचिव महोदय द्वारा सचिव, मा0 मुख्यमंत्री को इस प्रक्रिया को विकसित करने हेतु निर्देशित किया गया। **(कार्यवाही– जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग/सचिव, मा0 मुख्यमंत्री)**

16. बैठक में जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया गया कि श्री केदारपुरी में गढ़वाल मण्डल विकास निगम के पुराने अतिथि गृह जो कि वर्ष 2013 की प्राकृतिक आपदा में क्षतिग्रस्त हुए थे प्रशासनिक कार्यालयों के रूप में उपयोग किये जा सकते है। मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि इस बारे में गढ़वाल मण्डल विकास निगम से वार्ता कर किसी एक भवन को प्रशासनिक कार्यालय के रूप में विकसित किया जाये ताकि भविष्य में अधिकारियों द्वारा निगरानी करने हेतु उपरोक्त कार्यालय का उपयोग किया जा सके।

(कार्यवाही– प्रबन्धन निदेशक जी0एम0वी0एन0/जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग)

17. मुख्य सचिव महोदय द्वारा श्री केदारनाथ धाम के लिए सहयोग राशि कोष बनाने हेतु वेबसाईट का शीघ्र निर्माण किया जाये एवं इस कोष की धनराशि के प्रबन्धन हेतु प्रभावी नियमावली बनाई जाये। **(कार्यवाही–सचिव, पर्यटन विभाग)**

18. सचिव मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा सुझाव दिया गया कि श्री केदारनाथ की भव्यता एवं अध्यात्मिकता को उभारने के लिए देश के बड़े अखबारों यथा टाईम्स ऑफ इण्डिया, इकोनामिक टाईम्स के माध्यम से आर्किटेक्टस/विचारकों को आमंत्रित किया जाये एवं मा0 प्रधानमंत्री जी ने केदारनाथ के सम्बन्ध में जो विजन रखा है उसे सार्थक करने हेतु मंथन किया जाये। मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि पर्यटन विभाग शीघ्र उपरोक्त के सम्बन्ध में कार्य करना सुनिश्चित करें। **(कार्यवाही–सचिव, पर्यटन विभाग)**

19. सचिव, पर्यटन व आपदा प्रबन्धन द्वारा सुझाव दिया गया कि श्री केदारनाथ की कठिन व विषम भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत वहाँ पर डिप्टी कमान्डेन्ट के नेतृत्व में एस0डी0आर0एफ0 की एक कम्पनी को केदारनाथ में ही तैनात कर दिया जाये। मुख्य सचिव महोदय द्वारा प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की गई तथा निर्देशित किया गया कियह तैनाती शीघ्र सुनिश्चित की जायें।
(कार्यवाही–प्रमुख सचिव, गृह विभाग)

अंत में मुख्य सचिव महोदय द्वारा सभी अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए सभी अधिकारियों से यह अपेक्षा की गई कि वह मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्यमंत्री जी की अपेक्षाओं के अनुरूप त्वरित कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगें।

(अमित सिंह नेगी)
सचिव

...6

उत्तराखण्ड शासन
पर्यटन विभाग
संख्या :-273/VI(1)/2017–03(31)/2017
दिनांक 3/अक्टूबर, 2017

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. निजी सचिव, मा0 पर्यटन मंत्री को मा0 पर्यटन मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
3. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. अपर मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
5. प्रमुख सचिव, सिंचाई, गृह, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
6. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री,पर्यटन, ऊर्जा, राजस्व, पेयजल उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
7. अपर सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
8. प्रबन्ध निदेशक, GMVN, 74/1 राजपुर रोड़, देहरादून।
9. जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
10. प्रधानाचार्य, NIM, उत्तरकाशी–हाल केदारनाथ।
11. श्री निकुल शाह, प्रतिनिधि,JSW ग्रुप, बांद्रा ईस्ट, मुम्बई।
12. बैठक में उपस्थित अधिकारीगण/सदस्यगण।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
Atsingh
(अतुल कुमार सिंह)
अनुसचिव